

प्रेषक,

डॉ अजय कुमार प्रद्योत,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग -2

देहरादून दिनांक 31 मार्च, 2014

विषय :- युवा कल्याण निदेशालय परिसर में बहुउद्देशीय आडिटोरियम/सभागार के निर्माण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1264 / दो-2506-रा०से० / 2013-14 दिनांक 09 जनवरी के संदर्भ मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि युवा कल्याण निदेशालय परिसर में बहुउद्देशीय आडिटोरियम/सभागार के निर्माण हेतु प्राविधानित धनराशि ₹1.42 लाख के सापेक्ष वित्त विभाग/टी०ए०सी० द्वारा परीक्षणोपरानत औचित्यपूर्ण धनराशि (प्रथम चरण के प्रक्रियात्मक कार्य हेतु) ₹1.17 लाख (एक लाख सत्रह हजार) मात्र निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

2. उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं०-२८४ / XXVII(1) / 2013 दिनांक 30 मार्च, 2013 में निहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है।
3. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- 4- कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि मदवार स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।

5— कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोनिंगिं द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

6— मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या—2047 / XIV—219(2006) दिनांक 30—5—2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कडाई से पालन करने का कष्ट करें।

7— यदि विभिन्न मदों हेतु स्वीकृत धनराशि अवशेष रहती है तो उक्त धनराशि द्वितीय चरण के आगणन में समायोजित की जाय।

8— कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

9—प्रथम चरण के कार्य हेतु यदि किसी अन्य समरूप कार्य हेतु पूर्व में करायी गयी डिजाईन/मानक, पूर्ण रूप से अथवा आंशिक रूप से विषयगत कार्य हेतु प्रयोग की जा सकती है, तो मितव्ययता की दृष्टि को ध्यान में रखते हुए तदनुसार कार्यवाही की जाये।

10— कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भली—भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।

11— व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका से करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा, ऐसा व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासकीय एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ—साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति भी प्राप्त कर ली जाय। कार्य करते समय टेण्डर विषयक नियमों का भी अनुपालन किया जाय। यदि टेण्डर करने में कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति की लागत से कम लागत पर पूर्ण होता है तो ऐसे समस्त बचतों को प्रचलित वित्तीय नियमों का अनुपालन कर राजकीय कोष में जमा कर दिया जाय।

12— कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे। वित्त विभाग के शासनादेश दिनांक 19.10.2010 के प्राविधानानुसार द्वितीय चरण का विस्तृत आगणन/डी०पी०आर० समयबद्ध रूप से तैयार कराकर प्रस्तुत किया जायेगा।

13— उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 के अनुदान संख्या-11 के लेखार्थीक 4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय-03-खेलकूद तथा युवक सेवा खेलकूद स्टेडियम-102-खेलकूद स्टेडियम-16-आउटडोर फील्ड, इण्डोर हॉल व मिनी स्टेडियम का निर्माण-00-24-वृहत निर्माण मानक मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।

14— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-431(P)/XXVII (3)/ 2013-14 दिनांक 31मार्च, 2014 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं

भवदीय,

(डॉ अजय कुमार प्रद्योत)  
सचिव

पृष्ठांकन संख्या-41 /VI-2/2014-52 (1) 2014 तददिनांकित।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, वैभव पैलेस, सी-1/105 इन्द्रिरा नगर, देहरादून।
2. जिलाधिकारी, देहरादून।
3. बजट राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून।
4. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड देहरादून।
5. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
6. वित्त अधिकारी, साइबर कोषागार, देहरादून।
7. महाप्रबंधक, उ0प्र0राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड, देहरादून।
8. एन0आई0सी0 देहरादून।
9. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(लक्ष्मण सिंह)  
उपसचिव।